प्रकाश्नार्थ-

ब्रह्माकुमारिज़ के कला एवं संस्कृति प्रभाग तथा नृत्य ज्योति कत्थक केंद्र के विविध नृत्य कलाओं में प्रवीण बच्चों ने अंतरारष्ट्रीय नृत्य दिवस की पूर्व संध्या पर प्रभु मिलन केंद्र, ईदगाह, आगरा के सभागार में विविध नृत्य प्रस्तुत किये |
इस अवसर पर नृत्य ज्योति कत्थक केंद्र की निदेशक ज्योति खंडेलवाल ने कहा कि यह दिवस महान रिफॉर्मर जॉन जॉर्ज नावेरे के जन्म की स्मृति में मनाया जाता है | यूनेस्को के अंतरारष्ट्रीय थिएटर इंस्टीट्यूट ने २९ अप्रैल 1982 को प्रतिवर्ष इस दिन को अंतरारष्ट्रीय नृत्य दिवस के रूप में मनाने की घोषणा की |

अतिथियों का स्वागत करते हुये केंद्र प्रभारी बी.के.अश्विना बहन ने कहा - नृत्य एक साधना है, भगवान् की आराधना है| भारतीय संस्कृति में यह प्राचीन काल से उपस्तिथ है| शास्त्रीय नृत्य व्यक्ति के जीवन में शांति एवं अनुशासन लाता है तथा प्रेम की वृद्धि करता है| आध्यामिक ज्ञान एवं राजयोग का नियमित अभ्यास नृत्यकला के साधकों को प्रवीणता की ओर ले जाता है |

कार्यकर्म की थीम शहीदों की अभिलाषा, स्वर्णिम भारत की आशा रही | कार्यकर्म में नाट्य पितामह राजेन्द्र रघुवंशी को उनके जन्म शताब्दी के अवसर पर श्रद्धांजलि अर्पित की गयी| कार्यकर्म में प्रोफेसर वीणा शर्मा कुलसचिव, केंद्रीय हिंदी संस्थान, बृज खंडेलवाल वरिष्ट पत्रकार, पंडित केशव तलेगांवकर, श्रुति सिन्हा कवित्री, दिलीप रघुवंशी रास्ट्रीय महासचिव इप्टा, ब्रह्माकुमारिज़ हेड क्वार्टर से पधारे बी.के.गोपाल भाई, बी.के.श्रीराम भाई की सम्मानीय उपस्तिथ रही | बी.के.अमर भाई, बी.के.राज, बी.के.आशु बहिन ने कार्यकर्म की व्यवस्था संभाली |

फोटो कैप्शन :
म्यूजिकल डांस ड्रामा के उद्घघाटन, दीप प्रज्वलन में प्रो.वीणा शर्मा कुल सचिव केंद्रीय हिन्दी संस्थान,दिलीप रघुवंशी राष्ट्रीय महा सचिव,भारतीय जन नाट्य संघ,ब्रिज खंडेलवाल वरिष्ठ पत्रकार, पंडित केशव तलेगांवकर संगीतज्ञ,श्रुति सिन्हा कवियत्री,ज्योति खंडेलवाल निदेशक नृत्य ज्योति कथक केंद्र,बी के अश्विना केंद्र प्रभारी एवं अन्य |

Thanks.
In Godly service.
B.K.Ashwina
Idgah Center Agra
9456635460